IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.53
Volume 4, Issue 1, January 2024

पंचायती राज व्यवस्था एवं महिलाओं की भागीदारी

शिवानन पयासी
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग
डॉ. संध्या शुक्ला
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

सारांशः भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था अपनी विशालता के कारण विश्व में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। विश्व के अनेक देशों में जनतंत्रीय व्यवस्था विद्यमान है किन्तु भारतीय जनतंत्र अपना पृथक अस्तित्व रखता है क्योंकि यहाँ के गाँवों में स्थानीय स्तर पर पंचायतें जनता की समस्याओं का समाधान कर रही है। लोकतंत्र की सफलता का मूलतंत्र भी यही है कि ग्रामीण स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता की पूर्ण व प्रत्यक्ष भागीदारी हो। लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का सटीक प्रभाव अन्यत्र देखने को नहीं मिलता, जितना भारत में स्थानीय स्तर पर। इसका कारण यह है कि यहाँ जनता और उसके प्रतिनिधियों, शासक एवं शासितों के मध्य सम्पर्क अपेक्षाकृत, निरंतर सतर्कतापूर्ण संचालित रहता है। भारत के संविधान निर्माताओं ने लोकतंत्र के प्रमुख अस्त्र वयस्क मताधिकार को इस दृढ़ विश्वास से प्रेरित होकर ही स्वीकार किया था कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के सफलतापूर्ण संचालन के लिए जनता की इच्छा ही सर्वोपरि होती है। इस उदात्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गाँवों तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया।

मुख्य शब्दः लोकतांत्रिक, व्यवस्था, पंचायतीराज, महिला, स्थानीय स्वाशासन भारत आदि।

संदर्भ स्रोतः–

[1]. पड़लिया, मुन्नी, ''भारत में पंचायती राजव्यवस्था'' अनामिका पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स दरियागंज नई दिल्ली, 2008, पृ. 09
[2]. पड़लिया, मुन्नी, ''भारत में पंचायती राजव्यवस्था'' अनामिका पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स दरियागंज नई दिल्ली, 2008, पृ. 98
[3]. सुराणा राज कुमारी, ''भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और नव–पंचायतीराज'' राज पब्लिकेशन हाउस, जयपुर संस्करण 2000, पृ. 50
[4]. सुराणा राज कुमारी, ''भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और नव–पंचायतीराज'' राज पब्लिकेशन हाउस, जयपुर संस्करण 2000, पृ. 50
[5]. शर्मा, वीरेन्द्र, शर्मा, ऋचा, ''भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और पंचायतीराज, पृ. 103
[6]. शर्मा, वीरेन्द्र, शर्मा, ऋचा, ''भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और पंचायतीराज, पृ. 96
[7]. शर्मा, वीरेन्द्र, शर्मा, ऋचा, ''भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और पंचायतीराज, पृ. 97
[8]. शर्मा, वीरेन्द्र, शर्मा, ऋचा, ''भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और पंचायतीराज, पृ. 106
[9]. शर्मा, कविता, ''स्त्री सशक्तिकरण के आयाम'', पृ. 124

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in
DOI: 10.48175/IJARSCT-15034